शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 23-09-2020, वर्ग - BA-II

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के कार्यों की प्रगति (progress of the working of the Industrial Development Bank of India)

औद्योगिक विकास बैंक 30 फरवरी 1964 को अपने 50 वर्ष पूरे कर चुका है। इस अवधि में बैंक द्वारा सम्पन्न कार्य अत्यन्त सराहनीय रहा है। कुल मिलाकर बैंक द्वारा इन पच्चास वर्षों के कार्यकाल में 30 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गयी।

इसमें अधिक सहायता उद्योगों को प्रत्यक्ष ऋण, औद्योगिक ऋणों के पुनर्कटौती एवं बिलों पर कटौती के रूप में दी गयी है। निर्यात के लिए प्रत्यक्ष ऋण और निर्यात ऋणों के पुनर्वित्त की ओर इधर कुछ वर्षों से बैंक ध्यान देने लगा है और भविष्य में इसके लिए और अधिक सहायता स्वीकार करेगा।

दीर्घकालीन वित्त के क्षेत्र में एक शीर्ष संस्था होने के नाते बैंक अन्य वित्तीय

संस्थाओं के अंशो एवं ऋण-पत्रो की खरीद में भी अधिकाधिक पूंजी लगा रहा है।

(1) लघु उद्योगों को सहायता (Assistance to small industries):- लघु उद्योगों को IDBI द्वारा प्रत्यक्ष सहायता नही दी जाती है। अपितु अप्रत्यक्ष रुप में दिया जाता है जिनके तीन रुप है—

(A) राज्यों के वित्तीय निगमों द्वारा लघु क्षेत्र को दिए गए ऋणों के लिए पुनर्वित्त की सुविधा देकर।

(B) मशीनों एवं स्थगित भुगतान के बिलो को पुनर्भुनायी (Rediscounting) करके।

(C) उद्यमियों को बीज पूंजी सहायता (Seed Capital ~~Assistance~~ Assistance) प्रदान करके

छठी योजना के 5 वर्षों मे इसके द्वारा ~~लघु~~ लघु क्षेत्र को मिलाकर 3278 करोड़ रुपये की सहायता दी गयी। सातवीं योजना में मार्च 1990 तक विकास बैंको द्वारा लघु उद्योगों को प्रदान की गयी कुल सहायता 10135 करोड़ रुपयी

यह सहायता विविध रूपों में थी जैसे पुनर्वित्त, बिल-वित्त, बीज पूँजी आदि के रूप में लघु उद्योग विकास नीधि (Small Industries Development fund) के माध्यम से दी गयी।

2 अप्रैल 1990 से लघु क्षेत्र के वित्तीयन से संबंधित गतिविधियों विकास बैंक (SIDBI) द्वारा लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) सौंप दी गयी। तद्नुरूप लघु उद्योग विकास निधि (SIDF) तथा राष्ट्रीय इक्विटी निधि (National Equity fund) अब SIDBI को हस्तांतरित कर दिये गए।

(2) उद्योगवार सहायता (Industries-wise Assistance)

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा दी गयी सहायता में जिन पाँच उद्योगों में सबसे अधिक ऋण मिले हैं वे हैं सूती वस्त्र, सड़क परिवहन, विद्युत उत्पादन उर्वरक एवं विविध रसायन। इधर कुछ वर्षों से IDBI सड़क परिवहन, विद्युत उत्पादन उर्वरक एवं मूल रासायन उद्योगों के अधिक सहायता देने का प्रयास करता है।

(3) सहायता के विभिन्न स्वरूप (Different form of Help) ⟶

औद्योगिक विकास बैंक (IDBI) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार की सहायता प्रदान करता है। प्रत्यक्ष सहायता के अन्तर्गत परियोजना ऋण (project loans), अभिगोपन और प्रत्यक्ष अभिदान (underwriting & Direct subscription), उधार और सुलभ ऋण, तकनीकी विकास निधि (Technical development fund) से ऋण तथा स्थगित भुगतानों एवं ऋणों की गारण्टियाँ (Guarantees for ~~Direct~~ Defered payments and loans) आदि सम्मिलित हैं।

अप्रत्यक्ष सहायता के अन्तर्गत औद्योगिक ऋणों के लिए पुनर्वित्त की सुविधा बिल-पुनर्कटौती (Bill Re-Discounting), वित्तीय संस्थाओं के अंशों एवं ऋणपत्रों में अभिदान (subscription) तथा बीज-पूँजी सहायता (seed Capital Assistance) सम्मिलित होती है।